www.PapaCambridge.com

UNIVERSITY OF CAMBRIDGE INTERNATIONAL EXAMINATIONS
General Certificate of Education
Advanced Subsidiary Level and Advanced Level

HINDI | **8675/04**
9687/04

Paper 4 Texts | **October/November 2007**

2 hours 30 minutes

Additional Materials: Answer Booklet/Paper

5697667731

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

If you have been given an Answer Booklet, follow the instructions on the front cover of the Booklet.
Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen.
Do not use staples, paper clips, highlighters, glue or correction fluid.

Answer any **three** questions, each on a different text. You must choose one from Section 1, one from Section 2 and one other.
Write your answers in **Hindi** on the separate answer paper provided.
Dictionaries are **not** permitted.
You may take unannotated texts into the examination.
You should write between 500 and 600 words for each answer.
You are advised to divide your time equally between your answers.
At the end of the examination, fasten all your work securely together.
The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

उत्तर लिखने के पहले इन निर्देशों को पढ़िए:

उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखे निर्देशों का अनुसरण कीजिए।
अपना नाम, केन्द्र-संख्या और छात्र-संख्या अपनी उत्तर-पुस्तिका के हर पृष्ठ पर लिखिए।
लिखने के लिए केवल गहरे नीले या काले रंग की कलम का ही प्रयोग कीजिए और अपने उत्तर पृष्ठों के दोनो तरफ़ लिखिए।
स्टेप्लर, पेपर-क्लिप, हाईलाइटर, गोंद और करेक्शन फ़्लूइड का प्रयोग न करें।
शब्द-कोष का प्रयोग मना है।
आप परीक्षा में पाठ्य-पुस्तकों का प्रयोग तो कर सकते हैं पर उसमें आपके या किसी और के द्वारा लिखित कोई अन्य सामग्री नहीं होनी चाहिए।
किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए, तीनों प्रश्न भिन्न-भिन्न पाठ्य पुस्तकों से चुने जाने चाहिए। भाग 1 से एक प्रश्न, भाग 2 से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। तीसरा प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है।
अपने उत्तर, दिए गए परीक्षा पत्रों पर **हिन्दी** में ही लिखिए। आप जिन प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं उन प्रश्नों का नम्बर हाशिए में लिखना अनिवार्य है।
आपके उत्तर 500 से 600 शब्दों के बीच में लिखे होने चाहिए।
हर प्रश्नों के अन्त में कोष्ठक [ ] के अन्दर उस प्रश्न के अधिकतम अंक लिखे हुए हैं।
आपको परामर्श दिया जाता है कि आप हर उत्तर के लिए बराबर-बराबर समय दें।
यदि आप एक से अधिक पृष्ठों का प्रयोग करते हैं तो उन्हें धागे से एक साथ बाँध दें।

This document consists of **5** printed pages and **3** blank pages.

SP (SC/TL) T42423/8
© UCLES 2007

UNIVERSITY *of* CAMBRIDGE
International Examinations

[Turn over

www.PapaCambridge.com

भाग 1

1 **सूरदास -मध्यकालीन काव्य-संग्रह**

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का ही उत्तर दीजिए ।

(क)

(i) नीचे लिखे पद में चित्रित गोपियों की मनोदशा का वर्णन करते हुए पद का भावार्थ समझा कर लिखिए [25]

निरगुन कौन देस को बासी ?
मधुकर कहि समुझाइ सौंह दै, बूझतिं साँच न हाँसी ॥
को है जनक, कौन है जननी, कौन नारि, को दासी ?
कैसे बरन, भेष है कैसो, किहिं रस मैं अभिलाषी ॥
पावैगी पुनि कियौ आपनौ, जो रे करै गौ गाँसी ॥
सुनत मौन ह्वै रह्यौ बावरो, सूर सबै मति नासी ॥

-'भ्रमरगीत'-

या

(ख) पाठ्य पुस्तक में निर्धारित पदों के आधार पर सूरदास की भक्ति परम्परा का वर्णन उदाहरण सहित कीजिए । [25]

2 **वाचस्पति पाठक** - प्रसाद, निराला, पन्त, महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ

www.PapaCambridge.com

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का ही उत्तर दीजिए ।

(क) (i) इस कविता के रचयिता कौन हैं ? कविता की संक्षिप्त व्याख्या करते हुए इसकी भाषा पर प्रकाश डालिए।

(ii) इस कविता में छिपी छायावादी भावना का वर्णन कीजिए ।

[25]

गहन है यह अंध कारा

गहन है यह अंध कारा;
स्वार्थ के अवगुंठनों मे
हुआ है लुंठन हमारा ।

खड़ी है दीवार जड़ की घेरकर,
बोलते हैं लोग ज्यों मुँह फेरकर
इस गगन में नहीं दिनकर;
नहीं शशधर, नहीं तारा ।

कल्पना का ही अपार समुद्र यह,
गरजता है घेरकर तनु, रुद्र यह,
कुछ नहीं आता समझ में
कहाँ है श्यामल किनारा ।

प्रिय मुझे वह चेतना दो देह की,
याद जिससे रहे वंचित गेह की,
खोजता फिरता न पाता हुआ,
मेरा हृदय हारा ।

या

(ख) 'प्रसाद, निराला, पंत और महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ' नामक काव्य-संग्रह में से अपनी पसंद के दो कवियों की कविताओं की तुलनात्मक विवेचना कीजिए।

[25]

www.PapaCambridge.com

3 मैथिलीशरण गुप्त - 'भारत भारती'

प्रश्न 'क' और 'ख' में से <u>केवल एक प्रश्न</u> का ही उत्तर दीजिए ।

(क)

(i) निम्नलिखित काव्यांश का भावार्थ संदर्भ सहित लिखिए ।

(ii) इस कविता की भाषा पर टिप्पणी कीजिए।

[25]

हम थे धनुर्वेदज्ञ जैसे और वैसा कौन था ?
जो शब्द-बेधी बाण छोड़े शूर ऐसा कौन था ?
हाँ, मत्स्य जैसे लक्ष्य-बेधक धीर-धन्वी थे यहाँ,
रिपु को गिराकर अस्त्र पीछे लौट आते थे कहाँ ? ।। १२६।।

थी चंचला की-सी चमक या शीघ्रता सन्धान की,
कृतहस्तता ऐसी कि गति थी हाथ में ही बाण की ।
मुँह खोल कुत्ता भूकनें में बन्द फिर जब तक करे-
भर जाय मुख तूणीर-सा, पर बात क्या जो वह मरे ।।१२७।।

- हमारी वीरता -

या

(ख) मैथिलीशरण गुप्त की भारत भारती में संकलित भविष्यत् खण्ड से ली गयी 'आशा' कविता उनकी किन भावनाओं को प्रकाशित करती है । उदाहरणों के साथ उत्तर दीजिए।

[25]

www.PapaCambridge.com

भाग 2

निम्नलिखित प्रश्नों में से केवल एक प्रश्न के 'क' या 'ख' भाग का उत्तर दीजिए ।

4 **प्रेमचन्द - 'प्रतिज्ञा'**

(क) 'प्रतिज्ञा' उपन्यास के आधार पर दो मुख्य नारी पात्र- प्रेमा और पूर्णा के चरित्रों की तुलनात्मक विवेचना कीजिए ।

या

(ख) किन सामाजिक समस्याओं ने प्रेमचन्द जी को 'प्रतिज्ञा' उपन्यास के लिए प्रेरित किया और उन्होंने इसका निर्वाह इस उपन्यास मे कैसे किया ?

[25]

5 **जैनेन्द्र कुमार - '२३ हिन्दी कहानियाँ'**

(क) चन्दधरशर्मा गुलेरी की कहानी 'उसने कहा था' एक हृदयस्पर्शी प्रेम कहानी है । इस कथन पर प्रकाश डालते हुए कहानी की व्याख्या कीजिए ।

या

(ख) जयशंकर प्रसाद की कहानी 'गुण्डा' के आधार पर काशी नगरी की तत्कालीन सामाजिक दशा का वर्णन कीजिए।

[25]

6 **अभिमन्यु अनत - 'मॉरिशसीय हिन्दी कहानियाँ'**

(क) अभिमन्यु अनत की कहानी 'टूटा पहिया' के शीर्षक की सार्थकता पर अपना मत प्रकट करते हुए कहानी की मूल भावना की व्याख्या कीजिए।

या

(ख) लोचन विदेशी की कहानी 'कनफ़ेशन' के कथानक का विवरण देते हुए मुख्य पात्र जाक्मन की पारिवारिक परिस्थिति और उसके चरित्र का चित्रण कीजिए।

[25]

BLANK PAGE

www.PapaCambridge.com

BLANK PAGE

www.PapaCambridge.com

BLANK PAGE

www.PapaCambridge.com

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

University of Cambridge International Examinations is part of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department